काबुई जगोई, माव जगोई और थौगल जगोई (लाई हारोबा)
मणिपुरी लोकनृत्य

माव जगोई : यह माव लोगों का सर्वाधिक लोकप्रिय पारंपरिक नृत्य है। विभिन्न उत्सवों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में माव–जगोई की प्रस्तुतियाँ पारंपरिक माव वेशभूषा में की जाती है। माव–जगोई की प्रस्तुति गाँव के मुखिया अथवा राजा की उपस्थिति वाले समारोहों के आरंभ में की जाती है।

थौगल जगोई (लाई–हारोबा) : थौगल जगोई का प्रदर्शन स्त्री कलाकारों द्वारा लाई–हारोबा के दौरान किया जाता है। लाई–हारोबा एक पंद्रह दिवसीय उत्सव है, जिसका शाब्दिक अर्थ है : 'देवताओं और देवियों का आनंदोत्सव'। लाई–हारोबा मणिपुरी लोगों के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य का आईना है। थौगल जगोई के माध्यम से लोग देवताओं और देवियों से अपने भविष्य और कल्याण के लिए प्रार्थनाएँ करते हैं तथा उनसे समाज को जो कुछ भी प्राप्त हुआ है, उसके लिए आभार प्रकट करते हैं।

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी : संगीत नाटक अकादेमी की अंगीभूत ईकाई जवाहरलाल नेहरू नृत्य अकादमी मणिपुरी नृत्य पर शोध और प्रशिक्षण के क्षेत्र में मणिपुर की प्रमुख संस्था है। विभिन्न मानकों के माध्यम से यह संस्था नृत्य सीखने का मंच प्रदान करती है तथा मणिपुर के स्थानीय कलाकारों को भी प्रोत्साहित करती है।

साहित्य अकादेमी

रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली 110001

वेबसाइट : http://sahitya-akademi.gov.in/sahitya-akademi/index.jsp

Enchanting Expressions of India

Kabui Jagoi, Mao Jagoi and Thougal Jagoi (Lai-Haraoba)
Manipuri Folk Dance
February 23, 2017

Manipuri Dances are exquisite, full of dignified grace, multifaceted and often offer glimpses of rare and ancient civilization still extant. There are many traditions within the region still practicing and propagating ancient dance forms portraying the communication with nature and the Gods.

Kabui Jagoi: This folk dance is set mostly in the exotic surroundings of the mountainous Kabui villages of Manipur. Kabui dance is noted for vigorous footwork, sharp, clean and graceful movements of the body. Kabui Jagoi dance simulates cricket dance which the natives believe was originally performed before the Kabui god, Kaikhadaimei.

Kabui Jagoi, Mao Jagoi and Thougal Jagoi (Lai-Haraoba)
Manipuri Folk Dance

Mao Jagoi: This is one of the most popular traditional dances of Mao people. Mao-Jagoi is performed at important festivals and cultural events in traditional Mao costume. Mao-Jagoi is preceded by the ceremonies featuring a head of the village or a king blessing the people.

Thougal Jagoi (Lai-Haraoba): Thougal Jagoi is performed by the female dancers during Lai-Haraoba. Lai-Haraoba is a festival of fifteen days and literally means 'Merry making of gods and goddesses.' Lai-Haraoba mirrors the entire cultural spectrum of Manipuri people. Thougal Jagoi dance reflects the Manipuri people offering thanksgiving and prayers to gods and goddesses for what was bestowed on the community and for future prosperity and welfare.

Jawaharlal Nehru Manipur Dance Academy: A constituent unit of Sangeet Natak Akademi, the Jawaharlal Nehru Manipur Dance Academy is Manipur's premier institution for learning dance and doing research on Manipuri dances. Through various modules, this institution offers platforms for learning dance and also promotes native artists of Manipur.

SAHITYA AKADEMI

Rabindra Bhavan, 35, Ferozeshah Road, New Delhi-110001

Website: http://sahitya-akademi.gov.in/sahitya-akademi/index.jsp

साहित्योत्सव
Festival of Letters
21 - 26 February 2017

भारत की सम्मोहक अभिव्यक्तियाँ

काबुई जगोई, माव जगोई और थौगल जगोई (लाई हारोबा)
मणिपुरी लोकनृत्य

23 फ़रवरी 2017

मणिपुरी नृत्य उत्कृष्ट, गरिमापूर्ण, बहुमुखी और प्रायः विरल एवं आज भी विद्यमान प्राचीन सभ्यता की झलकियाँ प्रदान करनेवाले होते हैं। क्षेत्र में आज भी ऐसी अनेक परंपराएँ व्यवहार में हैं, जो प्रकृति एवं ईश्वर से संवाद को दर्शानेवाली प्राचीन नृत्य शैलियों का पोषण करती हैं।

काबुई जगोई : यह लोक नृत्य मणिपुर की मोहक पहाड़ियों में स्थित काबुई गाँव में प्रचलित है। पैरों का निरंतर प्रयोग तथा शरीर का तेज, स्पष्ट एवं गरिमापूर्ण संचालन काबुई नृत्य की विशेषता है। काबुई जगोई नृत्य क्रिकेट नृत्य से मिलता–जुलता है, जिसके बारे में जन विश्वास है कि उसे मूलतः काबुई ईश्वर कैखादैमेई के समक्ष प्रदर्शित किया गया था।